QP CODE **Enrollment Number: ……**

T5053 **Name: ……**

MA DEGREE EXAMINATIONS, MAY 2024

First Semester

M.A. Hindi Language and Literature

M23HD01AC – अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग

(2023 July admissions)

Time: 3 Hours **Max Marks: 70**

Section A

किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर दो या दो से अधिक वाक्यों में लिखिए।

1. अनुवाद शब्द की व्युत्पत्ति और अर्थ समझाइए।
2. स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा में क्या अंतर है?
3. नाटकानुवाद माने क्या है?
4. छायानुवाद क्या है ।
5. अनुवाद की किसी एक परिभाषा लिखिए ।
6. आशु अनुवाद क्या है?
7. मूल निष्ठ अनुवाद का परिचय ।
8. you will not drink milk - हिंदी में अनुवाद कीजिए ।

(2X5=10)

Section B

किन्हीं छ:प्रश्नों का उत्तर एक पृष्ठ के अन्दर लिखिए।

9. अनुवाद कला है, शिल्प या विज्ञान ।
10. काव्यानुवाद की समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।
11. कार्यालय अनुवाद पर टिप्पणी लिखिए ।
12. अनुवाद की प्रासंगिकता ।
13. विधि अनुवाद पर टिप्पणी लिखिए ।
14. अनुवादक के गुण ।
15. अनुवाद की क्या आवश्यकता है ।

16. अनुवाद के क्षेत्र पर प्रकाश डालिए ।

17. वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद ।

18. रूपान्तरण

(5X6=30)

Section C

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए।प्रत्येक उत्तर तीन पृष्ठ के अंतर्गत हो।

19. अनुवाद के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

20. अनुवाद की समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।

21. हिंदी में अनुवाद कीजिए ।

English is the highly developed language in the world and it is known throughout the world. It has the wide literature in the world. Great poets like Shakespeare, Milton, Wordsworth etc. produced great literature. It has enjoyed the honour of being the official language and medium of instruction in many countries like India. As a matter of fact, it is the language of educated population. It has contributed its share to the development of many modern languages. Today almost all the authoritative books in Science, History and Arts are available in English.

22. अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए ।

वर्तमान युग ने वैज्ञानिक क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन उपस्थित किया है। विज्ञान की यह प्रगति जहाँ एक ओर विश्व को शांति और सुख प्रदान करने की क्षमता रखती है वहाँ दूसरी ओर विश्व को विनाश की ओर भी ले जा सकती है। अणुशक्ति से मनुष्य के सुख की वृद्धि हो सकती है और मनुष्य का सर्वनाश भी हो सकता है। वैज्ञानिक उन्नति के साथ ही साथ सहयोग और स अस्तित्व का महत्व भी मनुष्य अगर न समझ ले तो उस उन्नति के कडुए फल विश्व को भेगने पड़ेंगे । आजकल हम देख हैं कि विश्व के शक्तिशाली देश छोटे छोटे देश को दबाकर रखना चाहते है। यह प्रवृत्ति अगर बढ़ती जाये तो उपनिवेश पुनः संसार पर अपना प्रभाव डालेगा ।

(संकेत - अणुशक्ति - atomic power, कडुआ = bitter, उपनिवेशवाद = colonialism)

(15X2=30)